RDVV UNIVERSITY-2013
FINANCIAL MANAGEMENT-2013

1. पूँजीकरण से क्या आशय है ? अर्थव्यवस्था में अतिपूँजीकरण के क्या प्रभाव होते है ? **(इकाई-1)**

rdvvonline.com

(अथवा) निम्न को समझाइए - (कोई दो)
(1) अधिव्यापार एवं न्यून व्यापार (2) वित्तीय प्रबन्धन की अवधारणा
(3) वित्तीय नियोजन के उद्देश्य

2. वित्तीय पूर्वानुमान क्या है ? इसके महत्त्व तथा सीमाओं की विवेचना कीजिए। **(इकाई-2)**

(अथवा) निम्न को समझाइए -
(1) पूँजी मिक्स (सम्मिश्रण) (2) पूँजी दन्तिकरण

3. समता अंश पूँजी क्या है ? इसकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए तथा बताइये कि अंशों पर व्यापार की नीति किन परिस्थितियों में अनुकूल मानी जाती है। **(इकाई-3)**

(अथवा) भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड की भूमिका तथा कार्यों का वर्णन कीजिए।

4. "कार्यशील पूँजी व्यापार की रक्त प्रणाली है जिसकी अपर्याप्तता व्यापार को असफल बनाती है।" कथन की विवेचना कीजिए तथा स्थायी कार्यशील पूँजी प्राप्ति के प्रमुख साधन बताइये। **(इकाई-4)**

(अथवा) प्राप्तियों का प्रबन्धन क्या है ? कार्यशील पूँजी प्रबन्धन से इसका क्या सम्बन्ध है ? कार्यशील पूँजी प्रबन्धन में साख नीति के प्रभाव बताइये।

5. आयों के प्रबन्धन से आप क्या समझते हैं ? लाभांश नीति का इससे क्या सम्बन्ध है ? कठोर लाभांश नीति के आय के प्रबन्धन पर क्या प्रभाव होंगे ? समझाइये। **(इकाई-5)**

rdvvonline.com

(अथवा) निम्न को समझाइये -
(1) लाभांश नीति के निर्धारक तत्त्व
(2) म्युचुअल फण्ड के प्रकार एवं इसके लाभ